REPORTS OF THE DEPARTMENT RELATED PARLIAMENTARY STANDING COMMITTEE ON URBAN DEVELOPMENT

SHRI PRASANTA CHATTERJEE (West Bengal): Sir, I lay on the Table a copy each (in English and Hindi) of the following Reports of the Department-related Parliamentary Standing Committee on Urban Development (2004-2005):

(i) Eighth Report of the Committee on The Delhi Development Authority;

(ii) Ninth Report of the Committee on Swarna Jayanti Shahari Rozgar Yojana (SJSRY); and

(iii) Tenth Report of the Committee on Action Taken by the Government on the Recommendations contained in its Third Report on Implementation of Part IX A of the Constitution,

MATTERS RAISED WITH PERMISSION

Reported theft in Naval War Room

डा.मुरली मनोहर जोशी(उत्तर प्रदेश): उपसभापति जी, मैं आपके माध्यम से एक बहुत महत्वपूर्ण प्रश्न को सदन की जानकारी में लाना चाहता हूं और यह प्रश्न मेरी दृष्टि से देश की सुरक्षा से सीधा जुड़ा हुआ है। अभी 1 अगस्त को दैनिक भास्कर में एक समाचार निकला "नेवल वार रूम में पहली चोरी।" उपसभापति जी, इसमें यह भी लिखा है कि नौ सेना का वार प्लान चोरी हुआ वह संभवत: विदेशी हाथों में पहुंच गया। उसके पाकिस्तान के हाथों में पहुंचने की संभावना भी व्यक्त की गयी है। उसमें से जो डॉक्युमेंट्स गए है, वे बड़े महत्वपूर्ण डाक्युमेंट्स है जिसमें वार प्लान, जहाजी बेड़ों की स्थिति, पनडुब्बियों की गतिविधियों की जानकारी,परमाणु हथियारों से लैस पनडुब्बियों की स्थिति और दुश्मन के खेमे की महत्वपूर्ण जानकारी शामिल हैं। अब अगर यह जानकारी हमारे वार रूम से चोरी होकर बाहर चली जाती हे तो कई महत्वपूर्ण सवाल खड़े होते है कि वार रूम की सुरक्षा कैसे होती है, वहां के कंप्यूटर की क्या सुरक्षा है, वहां से जानकारी लेने वालों ने किस प्रकार से वहां से जानकारी प्राप्त की आदि ? उपसभापति जी,यह एक सवाल उठता है कि हमारी सारी जानकारियों की सुरक्षा कैसे की गयी है क्योंकि इस पर हमारे देश की सुरक्षा आधारित है।

इस तरह यह एक बहुत महत्वपूर्ण प्रश्न है। मैं चाहता हूं कि सरकार इस बारे में सदन को पूरी जानकारी दे, जांच की जाए और दोषी अधिकारियों को दंडित किया जाय। महोदय, मुझे यह भी बताया गया है कि सरकार की तरफ से यह कहा जा रहा है कि ऐसी ही कुछ छोटी-मोटी चीजें बाहर गयी है, लेकिन हमें यह भी पता चला है कि कुछ बड़े अधिकारियों को निलंबित किया गया है और उस बारे में एक गहरी जांच बिठायी जा रही है। इसलिए मैं यह कहना चाहता हूं कि ...(**व्यवधान**).....

SHRI NILOTPAL BASU (West Bengal): Sir, I have to seek a clarification. This has been the practice and precedent in this House that on a day when we take up a Calling Attention Motion, normally, no other matter will prevail over that Calling Attention Business.

डा.मुरली मनोहर जोशी: चैयर ने Permission दी हुई हैं । **...(व्यवधान).....**

SHRI NILOTPAL BASU: Why do you talk on my behalf?... *(Interruptions)...*

श्री कलराज मिश्र (उत्तर प्रदेश)**:** सर,चैयर ने permission दी हुई है ।

SHRI NILOTPAL BASU: This is a procedural question on which I want to seek clarification from the Chair...*(Interruptions)...*

श्री उपसभापति: आप बैठिए । He is addressing the Chair.

DR. ALLADI P. RAJKUMAR (Madhya Pradesh): The Chair must be knowing it *...(Interruptions)...*

SHRI NILOTPAL BASU: Sir, let me pose a question. Are we to take it that on subsequent days when the Calling Attention matter is listed, any one of us can also ask for similar permission to raise issues of urgent public importance? *...(Interruptions)...*

डा.मुरली मनोहर जोशी: उपसभापति जी, यह तो **...(व्यवधान).....**हमेशा होता रहा है ।**...(व्यवधान).....**

SHRI NILOTPAL BASU: I am very politely asking: Will this be considered as a new precedent? *...(Interruptions)...*

डा.मुरली मनोहर जोशी: पहले भी होता आया है । **...(व्यवधान).....**

SHRI NILOTPAL BASU: I am not questioning the ruling. I would like to know what the implications of this would be.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Basu, you are right. Except the listed agenda, no other business will be taken up. But this is a zero hour mention which is raised with the permission of the Chair. Chair some times permits, It is not a regular feature. It is a zero hour mention, just to mention. There is no debate. The Government is not bound to respond. It is a permission to mention it for just about a minute or two.

डा.मुरली मनोहर जोशी: महोदय,यह डाटा जो इस समाचार पत्र में हैं **...(व्यवधान).....**

श्री उपसभापति: नहीं, आप डाटा में, डिटेल में मत जाइए,क्योंकि **...(व्यवधान).....**

श्री नीलोत्पल बसु: यह भी सत्य है कि यह तय हुआ था कि इस तरह से प्रेस का और इस हद तक कि हम सवाल में भी प्रेस कटिंग का रेफरेंस नहीं दे सकते । इसीजिए मुझे लगा कि हम कोई नई पद्वति अपनाने जा रहे है । अगर जा रहे हैं और यह आपका फैसला है तो हम भी आगे **...(व्यवधान).....**

श्री उपसभापति: नहीं, नहीं । यह फैसला नहीं है । **...(व्यवधान).....**यह जीरो ऑवर मेंशन हैं । **...(व्यवधान).....**

डा.मुरली मनोहर जोशी: श्रीमन् ,यह जो महत्वपूर्ण डाटा गया है, मैंने तो इसको रेफर किया है । कल लिखकर दिया है । इस कटिंग को लगाकर दिया है चेयरमैंन को **...(व्यवधान).....**वे यह कहते हैं कि **...(व्यवधान).....**

श्री उपसभापति: आप उसके डिटेल में जा रहे हैं **...(व्यवधान).....**

डा.मुरली मनोहर जोशी: मैं डिटेल में नहीं जा रहा हूं,सर**...(व्यवधान).....**यह वार प्लान **...(व्यवधान).....**सर,मैं बता रहा हूं ।**...(व्यवधान).....**

श्री उपसभापति: जोशी जी,आप डिटेल में जा रहे हैं । **...(व्यवधान).....**

डा.मुरली मनोहर जोशी: मैं डिटेल में नहीं जा रहा हूं ,सर ।**...(व्यवधान).....**

श्री उपसभापति : नहीं,जीरो आवर मेंशन में एक या दो मिनट में मेंशन करना है **...(व्यवधान).....**नहीं, नहीं, आप बैठिए,प्लीज **...(व्यवधान).....**

डा.मुरली मनोहर जोशी : उपसभापति जी, यह बहुत महत्वपूर्ण सवाल है । देश की सुरक्षा से जुड़ा हुआ सवाल है । इसीलिए**...(व्यवधान).....**

श्री उपसभापति: ठीक है**...(व्यवधान).....**

The Government has taken note of that and they would.. *.(Interruptions)...*

डा.मुरली मनोहर जोशी: उसमें कितनी चीजें है **...(व्यवधान).....**उसके कितने निहितार्थ हैं **...(व्यवधान).....**सर,यह मैं सदन में बताना चाहता हूं और मेरा आग्रह है कि सरकार को एक तो **...(व्यवधान).....**

SHRI NILOTPAL BASU: I would like to draw the attention of the House *...(Interruptions)...*

डा.मुरली मनोहर जोशी: ये हमेशा इस तरह से खड़े होते हैं **...(व्यवधान).....**इस बात को मैं नहीं मान सकता **...(व्यवधान).....**

श्री उपसभापति: आप बैठिए ।**...(व्यवधान).....**

डा.मुरली मनोहर जोशी: सर, इस बारे में मैं आपकी रूलिंग चाहूंगा कि क्या यह सम्मानित सदस्य का व्यवहार शोभनीय है ? क्या इस प्रकार से जब देश की सुरक्ष से संबंधित

गहरा सवाल है, तो ये सम्मानित सदस्य इस प्रकार की बातें कर रहे हैं । ...(**व्यवधान**).....क्या इन्हें देश की सुरक्षा का कोई ख्याल नहीं है ? ...(**व्यवधान**).....क्या ये नहीं चाहते हैं कि देश की सुरक्षा के बारे में संसद में विचार हो ? ...(**व्यवधान**).....यह क्या मामला है ? ...(**व्यवधान**).....इन्हें देश की सुरक्षा के बारे में कोई चिन्ता नहीं हैं ...(**व्यवधान**).....

श्री उपसभापति: नहीं,नहीं ।...(**व्यवधान**).....जोशी जी, इस जीरो आवर में कुछ मेंशन करना हैं ।...(**व्यवधान**).....वक्त का लिहाज रखिए ।...(**व्यवधान**).....This cannot be a debate. I'cannot allow it to be converted into a debate...*(Interruptions)*...

डा.मुरली मनोहर जोशी: उपसभापति जी,मैं तो बहुत अनुशासित व्यक्ति हूं और मैंने कभी भी आपकी आज्ञा का उल्लंधन नहीं किया है । लेकिन अगर एक सम्मानित सदस्य बीच में ...(**व्यवधान**).....तो सारा समय उसी में चला जाएगा और फिर उसके बाद आप भी आदेश दे देंगे कि संक्षेप कीजिए ।...(**व्यवधान**).....यह तो बहुत हैं, साहब । ...(**व्यवधान**).....मैं आपकी को तो सहन कर लूंगा, लेकिन सदस्य की* को भी सहन कर लूं, यह तो ठीक नहीं है, साहब ।

श्री उपसभापति : मेरी *नहीं हैं । जो रूल्स है,कानून हैं, उनके ऊपर जा रहा हूं ।...(**व्यवधान**).....मैं रूल्स के ऊपर जा रहा हूं ।...(**व्यवधान**).....मेरी* नहीं हैं ।...(**व्यवधान**).....

श्री नीलोत्पल बसु: सर,सम्मानित सदस्य बहुत आपत्तिजनक शब्द...(**व्यवधान**).....सर,मैं यह सवाल पूछता हूं कि हाऊस में जो भी होगा वह हाऊस की प्रोसीडिंग के तहत होगा ...(**व्यवधान**).....

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Please sit down. Mr. Basu, please sit down.. *(Interruptions)...*

श्री नीलोत्पल बसु: सर, यह* शब्द आप निकाल दीजिए ।

श्री उपसभापति: ठीक है । मैं निकाल देता हूं । *

डा.मुरली मनोहर जोशी: ताकत के साथ मैंने बात कही है । यह एक बहुत महत्वपूर्ण बात डी.एन.ए.न्यूज सर्विस की ओर से प्रकाशित हुई । तो मैंने कहा कि इस पर सदन का ध्यान आकृष्ट करना चाहिए, सरकार का ध्यान आकृष्ट करना चाहिए, देश का ध्यान आकृष्ट करना चाहिए । यह देश की सुरक्षा से जुड़ा हुआ सवाल है । बहुत महत्वपूर्ण जानकारी है। इस पर सरकार की प्रतिक्रिया आनी चाहिए । ...(**व्यवधान**).....हम मांग करेंगे कि इस पर ...(**व्यवधान**).....कार्रवाई की जाए ।...(**व्यवधान**).....

श्री उपसभापति : सरकार प्रतिक्रिया देगी ।...(**व्यवधान**).....सवाल यही है मिश्रा जी, ...(**व्यवधान**).....आपका भी यही सवाल है ...(**व्यवधान**).....

* Expunged as ordered by the Chair.

श्री कलराज मिश्र: मैं एक-दो बिंदु रखकर फिर आप **...(व्यवधान).....**मान्यवर मैंने उठाया है।**...(व्यवधान).....**

श्री उपसभापति: आपने दिया है। सब्जेक्ट एक ही है। सरकार रिएक्ट करना चाहती है। **...(व्यवधान).....**उनको रिएक्ट करने दें।

श्री कलराज मिश्र: मैं इसमें एक-दो बिंदु जोड़ना चाहता हूं।**...(व्यवधान).....**

श्री उपसभापति: इसमें क्या बिंदु जोड़ने का है ?

श्री नीलोत्पल बसु: सर, मुझे भी एक बिंदु जोड़ना है। **...(व्यवधान).....**

श्री उपसभापति: क्या कहना चाहते हैं ?

श्री कलराज मिश्र: सर,इतने में तो मैं बोल गया होता। मैं यह कहना चाहता हूं, जिस तरह डा.जोशी जी ने उठाया इस बात को, कि यह भारतीय गुप्तचर विभाग ने इस बात की पुष्टि की है कि पाकिस्तान के हाथ ये सूचनांए लग गई हैं। नंबर दो, जो नेवल वार रूम है, यह बड़ा सुरक्षित है, इसको सुरक्षित माना जाता हैं, त्रिस्तरीय सुरक्षा की व्यवस्था है, वाइस-चीफ, डिप्टी चीफ और डायरेक्टर, ये सारा देखते हैं। उसके बावजूद भी वहां से लीक हो गया। यह एक गंभीर विषय है और इसलिए इस विषय की गंभीरता को ध्यान देते हुए इस पर मंत्री जी अपना वक्तव्य दें, तो ज्यादा अच्छा होगा, श्रीमन्।

श्री नीलोत्पल बसु: सर,हमारा एक बिन्दु जोड़ने का है। सर,समाचार पत्रों में **...(व्यवधान).....**

श्री मती सुषमा स्वराज(उत्तरांचल): सर, इन्होंने नोटिस नहीं दिया हैं। **...(व्यवधान).....**

श्री कलराज मिश्र: सर, वह जैसा चाहे, वैसा बोलेंगे, यह ठीक नहीं हैं। **...(व्यवधान).....**श्री उपसभापतिः एक मिनट आप बैठिए।**...(व्यवधान).....**

श्री नीलोत्पल बसु: सर,मैं आपको प्रोसीडिंग्स से ये प्रिसिडेंट दिखा दूंगा। अगर कोई सवाल उठा है, तो दूसरे सदस्य **...(व्यवधान).....**

श्री उपसभापति: वे नोटिस देने की बात कर रहे हैं, नोटिस की नहीं। **...(व्यवधान).....**

श्री नीलोत्पल बसु: सर,चेयर से अनुमति मांग सकते हैं। हजारों ऐसे उदाहरण यहां हाऊस के हैं। **...(व्यवधान).....**

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Basu, the Government wants to react. *...(Interruptions)...* Let us listen to it. *...(Interruptions)...* Let the Minister respond. *...(Interruptions)...*

श्री नीलोत्पल बसु: मेरा एक सवाल है। if the minister is responding let him also respond **.....**(Interruptions)- पाणि साहब आप थोड़ा धीरज रखिए।|

श्री उपसभापति: आप बैठिए, भाई । आप बैठिए, नारायणसामी जी ।

SHRI V. NARAYANASAMY (Pondicherry): It is not necessary that the hon. Minister responds to the news item that has been quoted by the hon. Member *..(Interruptions)...*

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I have not told the* Minster to respond. *...(Interruptions)...* I have not given any direction. *..(Interruptions)...* He said that *..(Interruptions)...*

SHRI NILOTPAL BASU: My only simple submission is that this is a serious matter which the hon. Member has raised. But many of us also have seen Press reports that the Defence Ministry has also very categorically denied this incident. If the Minister is responding, let him take that also into account. *..(Interruptions)...*

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Time is short. *..(Interruptions)...*

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (**श्री सुरेश पचौरी**): आदरणीय उपसभापति महोदय, माननीय सदस्यों ने नौसेना के वार रूम से जो सूचना संबंधी में मुद्दा उठाया है, कुछ सूचनाएं, खासतोर से गोपनीय सूचनाएं लीक हुई हैं, उसके संबंध में मैं ज्यादा विस्तार से न जाकर अभी फिलहाल आपकी अनुमतिसे सदन को यह अवगत करना चाहूंगा कि इस संबंध में एक कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी बैठा दी गई है, जो सभी बिन्दुओं की तथ्यात्मक जानकारी एकत्रित करके इसकी इन्क्वायरी करेगी । **...(व्यवधान).....**

श्री प्रमोद महाजन (महाराष्ट्र)**:** किस की इन्क्वायरी करेगी, उन्होंने कहा कि कुछ हुआ ही नहीं । **...(व्यवधान).....**

श्री सुरेश पचौरी: मान्यवर, यदि आप मेरे पहले वाक्य पर गौर करें । **...(व्यवधान).....**

श्री उपसभापति: आप बैठिए । मंत्री जी जो बात कर रहे हैं, उसे आप सुनिए , गौर से सुनिए ।

श्री सुरेश पचौरी: मान्यवर,मैंने अपने पहले वाक्य में बहुत सचेत होकर यह कहा था कि मैं अभी फिलहाल यही कहने की स्थिति में हूं कि चूंकि इन्क्वायरी बैठा दी गई है,वह सारे तथ्यों की जानकारी एकत्रित कर रही है, उसकी जांच कर रही है । यद्यपि यह दूसरा बिन्दु माननीय सदस्य ने उठाया था कि क्या इस संबंध में नौसेना अधिकारियों ने या रक्षा मंत्री ने कुछ खंडन किया है ? तो मैं उसका उत्तर "हां" में कहना चाहता हूं कि रक्षा मंत्री जी ने यह स्पष्ट कहा है कि कोई गोपनीय सूचना, आपरेशन प्लान से जो संबंधित थी, वह चोरी नहीं हुई है और नौसेना के जो वाइस-एडमाइरल हैं मिस्टर सुरेश मेहता, उन्होंने भी पत्रकारों को इस मामले में खंडन किया है । लेकिन, मैं और विस्तार से इसलिए नहीं कह रहा हूं, क्योंकि इसकी पूरी

इन्क्वायरी हो रही है । दूसरा बिन्दु, मान्यवर, जो उठा था कि कोई इश्यू, जब काल-अटेंशन हो, तो किया उस समय वह रेज किया जा सकता है ? तो रूल 185 में यह बात बहुत स्पष्ट हैं, मैं उसका उल्लेख करना चाहूंगा । Rule 180 (5) says...(Interruptions).....

श्री कलराज मिश्र: अभी माननीय मंत्री जी ने कहा है ...(**व्यवधान**)....

श्री सुरेश पचौरी: नहीं,नहीं । I am not yielding. Please listen to me. Rule 180(5) says, 'The proposed matter shall be raised after the questions and the laying of papers if any, on the Table and before any other item in the List of Business is taken up and at no other time during the sitting of the Council'. बाकी निर्णय आपके हाथ में हैं ।

डा.मुरली मनोहर जोशी: सभापति जी, सिर्फ एक जानकारी चाहूंगा । ...(**व्यवधान**).....

श्री उपसभापति : नहीं, नहीं, बिल्कुल नहीं NO,no.NO जानकारी । I have called Shri Ravula Chandra Sekar Reddy's name...*(Interruptions)...* I have called *...(Interruptions)....* Nothing will go on record. *...(Interruptions)...*

डा.मुरली मनोहर जोशी: *

श्री कलराज मिश्र: *

DEMAND FOR A CBI INQUIRY INTO THE PROPOSED VOLKSWAGEN CAR PROJECT AT VISAKHAPATNAM, ANDHRA PRADESH

SHRI RAVULA CHANDRA SEKAR REDDY (Andhra Pradesh): Sir, I will not take much time. This is a matter related to the State of Andhra Pradesh which involves the...

SHRI V. NARAYANASAMY (Pondicherry): Sir, *..(Interruptions)...*

DR. ALLADI P. RAJKUMAR (Andhra Pradesh): Mr. V. Narayanasamy, why don't you sit down? This is an important issue. This involves the pride of India, not only Andhra Pradesh.

* Not recorded.